

# सरकारी गजट, उत्तरांचल

# उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

# रुड़की

खण्ड--7] रुड़की, शनिवार, दिनांक 16 सितम्बर, 2006 ई0 (माद्रपद 25, 1928 शक सम्वत) [संख्या--37

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृथ्व अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृथ्त संख्या	वार्षिक चन्द
,		90
नम्यूर्ण गजद का मूल्य	-	3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस		
<ul> <li>ग 1-क-नियम, कार्य विधियां, आझाएं, विझिप्तयां इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यशाल महोदय, विभिन्न विमागों के</li> </ul>	331~349	1500
अध्यक्ष तथा राजस्य परिषद् ने जारी किया ।।ग 2-आञ्चाएं, विञ्चप्तियां, नियम और नियम विद्यान, जिनको केन्द्रीय	119-120	1500
सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञानियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के सदस्ण		
ाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निर्देश जिन्हें विभन्न आयुक्तों		975
अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया	_	975
गंग 4—निदेशक, शिक्षा विमान, उत्तरांचल	-	975
गग ६-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तरांचल	-	975
नाग 6—बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों		3.2
की रिपोर्ट		975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविद्धित सथा अन्य		
निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां	-	975
गाय 8—सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि	-	975
स्टोर्स पर्चेज-स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड-पत्र खादि		1425

#### साग 1

विद्मिष्त-अवकाश्, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

# वित्त अनुमाग-8

# विञ्चप्ति/पदोन्नति/समायोजन

29 अगस्त, 2006 ई0

संख्या 692/XXVII(8)/वाणि0 कर/2006-तात्कालिक प्रमाव से वाणिज्य कर विमाग, उत्तरांचल के अन्तर्गत धयन वर्ष 2008-07 में ज्वाइन्ट कमिश्नर, वेतनमान, रुपये 12000-16500 के रिक्त पदों के सापेक्ष निम्नांकित अधिकारियों को नियमित चयनोपरान्त पदोन्नत करते हुए उनके सम्भुख अकित स्थान पर तैनात किया जाता है :-

क्राज्य	अधिकारी का नाम/वर्तमान तैनाती	संयुक्त आयुक्त के पद पर पदोन्नति के फलस्वरूप तैनाती
1-	श्री एन० एस० पांगती/डिप्टी कमि० (क0नि०)-2, बाणिज्य कर, देहरादून	ज्वाइन्ट कमिश्नर (वि०अनु०शा०/प्रवर्तन), गढवाल जोन, हरिद्वार
2.	श्री एष0 एस0 निवयल/हिप्टी कमिश्नर (क0नि0)-5, वाणिण्य कर, देहरादून	ज्वाइन्ट कमिश्नर (कार्यपालक), काशीपुर संभाग, काशीपुर
3.	स्री एन० एस० दताल/डिप्टी कमिश्नर (कं0नि०), वाणिज्य कर, खटीमा	संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक), हरिद्वार संभाग, हरिद्वार।

2-उपर्युक्तानुसार की गयी पदोन्नितयाँ "उत्तर प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 2000" की धारा 73(2) के अनुसार भारत सरकार के स्तर से अंतिम रूप से उत्तरांचल राज्य हेतु आवटित तथा वर्तमान में उ०प्रठ में कार्यरत अधिकारियों के उत्तरांचल में योगदान करने वाले अधिकारियों के सापेक्ष ज्येष्ठता परिवर्तित होने के प्रतिबन्ध के अधीन परिवर्तनीय होगी।

3—इसी क्रम में ज्वाइन्ट किमश्नर के पदों पर पदोन्नति के फलस्वरूप डिप्टी किमश्नर के रिक्त होने वाले पदों का अतिरिक्त प्रमार भी एतद्हारा निम्नांकित अधिकारियों को निम्नानुसार प्रदान किया जाता है :--

अधिकारी का नाम/वर्तमान तैनाती	ज्वाइन्ट किंग्ठ के पद पर पदीन्नति के फलस्वरूप रिक्त होने वाला पद
1—श्री होरी लाल, डिप्टी कमि० (क०नि०)—1, देहरादून एवं आहरण वितरण अधिकारी, देहरादून तथा अतिरिक्त प्रमार डि०कमि० (क०नि०)—4, देहरादून	डिं0कंगिं0 (कं0िन0)-2, बाणिज्य कर, देहरादून
2—श्री टीं0पी0 नौटियाल, डिप्टी कमि0 (क0नि0)—3. वाणिज्य कर, देहरादून एवं अतिरिक्त प्रमार डिप्टी कमि0(क0नि0)—8, बाणिज्य कर, देहरादून	डिप्टी कमि०(क०नि०)-5, वाणिज्य कर, देएरादून
3-श्री पीयूष कुमार, डिप्टी कमि०(क०नि०)-1 व 2. वाणिज्य कर, रुद्रपुर	हिप्टी कमि० (क0नि०) वरणिज्य कर, खटीमा।

<sup>4-</sup>पस्तर-3 के अनुसार समायोजित अधिकारियों को इसके लिये कोई अतिरिक्त वेतन/मर्स देय नहीं होंगे।

इन्दु कुमार पाण्डे, प्रमुख सचिव, विता।

उपर्युक्तानुसार पदीन्नत/समायोजित अधिकारी तत्काल अपनी नयी तैनाती के स्थानों पर कार्यमार गृहण करेंगे।

# चिकित्सा अनुमाग-5

# कार्यालय ज्ञाप

# 22 अगस्त, 2006 ई0

संख्या 184/XXVIII-5-2006-58/2006-तात्कालिक प्रमाव से श्री राज्यपाल महोदय जनपद टिहरी गढ़वाल का मुख्यालय नरेन्द्रनगर से नई टिहरी में स्थानान्तरित हो जाने के कारण बीराडी, नई टिहरी स्थित संयुक्त चिकित्सालय को जिला चिकित्सालय तथा नरेन्द्र नगर स्थित श्रीदेव सुमन चिकित्सालय को संयुक्त चिकित्सालय का दर्जा प्रदान करते हैं।

2—जनपद टिहरी रिथत उक्त दोनों चिकित्सालयों का उक्त व्यवस्था के उपरान्त निम्नानुसार नाम परिवर्तित
 किया जाता है :-

वर्तमान नाम परिवर्तित नाम	
1-श्रीदेव सुमन जिला विकित्सालय, नरेन्द्र नगर, टिहरी	1-श्रीदेव सुमन संयुक्त चिकित्सालय, नरेन्द्र नगर, टिहरी गढवाल
2-संयुक्त चिकित्सालय, बौराड़ी, टिहरी	2-जिला चिकित्सालय, गौराड़ी, टिहरी गढवाल।

आज्ञा से. आलोक कुमार जैन, प्रमुख सचिव।

# चिकित्सा अनुभाग-3

# अधिसूचना

# 25 अगरत, 2006 ई0

संख्या 676 / बि0-3-2006-210 / 2002-भेषजी अधिनियम् 1948 (1948 का सख्यांक 8) की घारा 19 के खण्ड (क), (ख), (म), (घ), (घघ) एवं (अ) हारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए श्री राज्यपाल, राज्य भेषजी परिषद् का गठन करने की सहबं रवीकृति प्रदान करते हैं जिसमें क्रमशः निम्नलिखित निवाबित सदस्य, नाम निर्देश्ट सदस्य तथा पर्दन सदस्य होंगे :-

# निर्वाचित सदस्य-धारा 19 (क) :

- श्री हरीश चन्द्र देवली, डीoफार्मo, ग्राम कमेडा, डाकघर गाँचर, जिला वसोली।
- श्री सतीश धन्द्र, डीoफार्मo, ग्राम व डाकघर बगोटी हारा लोहाघाट, जिला चम्यावत !
- श्री बृद्धि शिंह कल्डा डीoफार्मo गांधी नगर हान्डा, घर्मपुर, देहरादून।
- श्री नारायण सिंह राणा, डी०फार्म0, ग्राम सकन्याकोट, पो० भगतीला, जिला अल्मोड़ा।
- श्री दथा कृष्ण, डीoफार्मo, ग्राम कफोली, डाकघर हरसीला, जिला बागेश्वर ।
- 6. श्री लक्ष्यण सिंह मण्डारी, डी०कार्म०, ग्राम व पो० जुणगा डुन्डा, जिला उत्तरकाशी। नामित सदस्य—धारा 19 (ख):
- श्री जयपाल सिंह राणा, डी० कार्म०, बी०ए०, एल०एल०बी०, फार्मासिस्ट ग्रेड-। केन्द्रीय चिकित्सालय, वन अनुसन्धान संस्थान, देहरादून।
- श्री एसoळेo गुप्ता, बीoएससीo, बीoफार्मo, निर्देशक, साई मैडिसिन एजेन्सी, गांधी रोड, देहरादून।
- श्री एस०एस० चौहान, डी०फार्म०, चीफ फार्मासिस्ट, दून चिकित्सालय, देहरादून।

- 4 श्री गुरुदर्शन सिंह बेदी, एम० फार्म०, वर्क्स मैनेजर (विनिर्माण), आई०डी०पी०एल०, ऋषिकेश, देहराद्न।
- श्री अशोक कक्कड़ा बीठ फार्मठ, विभागाध्यक्ष (विनिर्माण), श्रीमन्त इन्टास फार्मास्युटिकल, कैम्प रोड, सेलाकुई, देहरादून।

# चिकित्सा परिषद् के नामित प्रतिनिधि 19 (ग):

डा० महावीर सिंह, एम०डी०, बालरोग विज्ञानी (पिडिऐट्रीशियन), आराघर, देहरादून।

### पदेन सदस्य-धारा 18 (घ) : '

राज्य के महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, देहरादून अथवा उनका नामित प्रतिनिधि। धारा 19 (घघ) :

राज्य के औषधि नियंत्रण अधिकारी, उत्तरांचल स्वास्थ्य सेवाएं अथवा उनका नामित प्रतिनिधि। धारा 19 (छ) :

यदि राजकीय विश्लेषक एक से अधिक हों तो राज्य के विश्लेषकों में से राज्य सरकार द्वारा मनौनीत राज्य औषधि विश्लेषण अधिकारी।

उक्त के अधिरिक्त श्री राज्यपाल भेषजी अधिनियम, 1948 की घारा 30 की उपधारा (6) के अधीन उक्तवत् राज्य परिषद् का गठन हो जाने के फलस्वरूप यह निर्देश देते हैं कि प्रथम रिजस्टर में रिजस्ट्रीकरण के लिए प्राप्त समस्त आवेदन शुल्क व उसका कोई विनिर्दिष्ट माग राज्य परिषद् के नाम जमा किया जायेगा।

आआ से.

आलोक कुमार जैन. प्रमुख समिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 676/M-3-2006-210/2002, dated August 25, 2006 for general information:

#### NOTIFICATION

#### August 25, 2006

No. 676/M-3-2006-210/2002-In exercise of the powers conferred by clauses (a), (b), (c), (d), (dd) and (e) of the Pharmacy Act, 1948 (Act No. 8 of 1948), the Governor is pleased to accord sanction to constitute the State Pharmacy Council comprising the following elected members, nominated members and ex-officio members, respectively:—

#### Elected Members-Section 19(a):

- 1. Sh. Harish Chandra Devli, D. Pharm., Vill. Kameda, P.O. Gaucher, Distl. Chamoli.
- 2. Sh. Satish Chandra, D. Pharm., Vill. & P.O. Bagoti Via Lohaghat, Distr. Champawat.
- 3. Sh. Budhi Singh Kaluda, D. Pharm, Gandhi Nagar Danda, Dharampur, Dehradun,
- 4. Sh. Narayan Singh Rana, D. Pharm., Vill. Sakanyakot, P.O. Shagtola, Dist. Almora.
- 5. Sh. Daya Krishan, D. Pharm., Vill. Kofoli, P.O. Harsila, Distt. Bageshwar,
- 6. Sh. Laxman Singh Bhandari, D. Pharm, Vill. & P.O. Junga Dunda, Disti, Uttarkashi,

#### Nominated Members-Section 19(b):

- 1. Sh. Jai Pal Singh Rana, D. Pharm, B.A., L.L.B., Pharmacist, Grade-i, Central Hospital, F.R.I., Dehradun,
- 2. Sh. S.K. Gupta, B.Sc., B. Pharm., Director, Sai Medicine Agency, Gandhi Road, Dehradun.
- 3. Sh, S,S Chauhan, D Pharm , Chief Pharmacist, Doon Hospital, Dehradun.

- 4. Sh. Guru Darshan Singh Bedi, M. Pharm., Works Manager (Manufacturing), LD.P.L., Rishikesh, Dehradun.
- Sh. Ashok Kakkad, B. Pharma, Head of the Department (Manufacturing) Shrimant Inter Pharmaceuticals, Camp Road, Selagui, Dehradun.

#### Nominated Representative of Medical Council-Section 19(c):

1. Dr. Mahveer Singh, M.D., Paediatrician, Araghar, Dehradun.

#### Ex-Officio, Member-Section 19(d):

Director General, State Medical, Health and Family Welfare, Dehradun or his nominated representative.

Section 19(dd):

Drug Control Officer, Uttaranchal Health Services or his nominated representative.

#### Section 19(e):

State Drug Analysis Officer nominated by the State Government from amongst the analysts, in case there are more than one Government Analysts.

In addition to the above, the Governor further directs under sub-section (6) of section 30 of Pharmacy Act, 1948, after the constitution of the State Council, that all or any specified part of the application fees received for registration in the first register shall be credited to the State Council.

By Order,

ALOK KUMAR JAIN, Principal Secretary.

# शिक्षा अनुभाग-8

# अधिसूचना

### 23 अगस्त, 2006 ई0

संख्या 681 / XXIV(6) / 2006-6(145)06-श्री राज्यपाल, पतंजित विश्वविद्यालय अधिनियम, 2008 (अधिनियम संख्या 04, वर्षा 2008) की घारा 1 की सपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सपरोक्त अधिनियम की प्रवृत्त करने के लिए एतदहारा 05 अप्रैल, 2006 की ठारीख नियत करते हैं।

आजा से.

एस० राजू सविव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the University of Patanjali Act, 2006 for general information:

#### NOTIFICATION

#### August 23, 2006

No. 681/XXIV(6)/2006-6(145)06--In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the University of Palanjali Act, 2006 (Act No. 04 of 2006), the Governor, hereby appoint the 5th day of April, 2006 as the date on which the above said Act shall come into force.

By Order,

S. RAJU, Secretary.

संख्या 76 / VIII / 03-प्रशिठ / 2006

प्रेषक.

टींश बारक मद्द, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन अनुमाग

देहरादून : दिनांक 24 अगस्त, 2006

विषय :- पंतनगर में विशिष्ट राजकीय आँधोगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके संवालनार्थ पतों का सृजन किए जाने विषयक।

महोदय.

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद ऊधमसिह नगर के पतनगर में विशिष्ट राजकीय आँधोगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रश्तावित सात व्यवसाय कोपा, फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, पेंटर जनरल, इन्स्ट्रूमेंट मेकेनिक एवं वैल्डर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार मुल 24 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्मत होने की तिथि अथवा पद की मरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनाक 28-02-2007 तक के लिए बशर्त कि ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

विशिष्ट राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पंतनगर, जिला ऊचमसिंह नगर हेतु पदों का विवरणः

क0स0	पदों का नाम	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
1	2	3	4
1.	प्रधानाथार्थ	91	8000-13500
$\mathbb{Z}_i$	कार्यदेशक	01	6500-10500
3.	व्यवसाय अनुदेशक	07	5000-8000
4,	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-B000
-B.	अनुदेशक कला/गणित	01	5000-4000
6.	सहायक मण्डारी	01	4000-6000
7.	वरिष्ठ सहायक	03	4000-6000
zi.	कनिष्ठ सहायक	01	30504590
B.	मण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2610-3540
10.	अनुसंचक	01	2550-3200
11.	चौकीदार	04	2550-3200
12.	स्वन्ककार	01	2550-3200
	योग :	24	

2-उक्त पद के घारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य मत्ते आदि भी देय होंगे।

# प्रारम्भ किये जा रहें व्यवसायों का विवरण :

क्रथंक	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	कोपा	51	20
2.	फिद्धर	01	16
3.	दर्नप्	01	12
4.	<b>मक्</b> रीनिस्ट	01	12
5.	पेंटर जनरल	01	16
B.	इन्स्ट्रमेन्ट मेकेनिक	D1	16
7.	वैरुडर	01	12

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नित्सित विवरणानुसार रुपये 2,76,38,000/-(रुपये दो करोड़ सत्तर लाख अड़तीस हजार मात्र) की घनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

All College	STATE OF THE STATE	-
MALC	cald ded !	

#### (धनराशि हजार रुपये में)

भद का नाम	आवश्यक धनराशि
01-वेतन	01
03महमाई मत्ता	01
04—यात्रा भत्ता	01
08अन्य मरो	01
08-कार्यालय व्यय	10
09-विधुत देव	01
10-जलकर/जल प्रमार	01
21-छात्रवृत्ति / छात्रवेतन	01
28-मशीनें साज-सज्जा/सपकरण	27000
42—अन्य व्यव	20
48-महंगाई वेत्तन	01
योग:	27038
	पद का नाम  01-वेतन  03-महंगाई मत्ता  04-यात्रा भत्ता  08-अन्य गर्ते  08-कार्यालय व्यय  08-विद्युत देय  10-जलकर/जल प्रमार  21-फात्रवृत्ति/फात्रवेतन  28-मशीनें साज-सज्जा/संपकरण  42-अन्य व्यव  48-महंगाई वेतन

4—चक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शतों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंदित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंदन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या आदेशों का उल्लंधन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व स्क्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्यवता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय—समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5—व्यय करते समय स्टोर परयेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी, की दशें अथवा शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही घनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7—उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006—07 हेतु अनुदान संख्या—16 मुख्य लेखाशीर्षक, 2230—श्रम तथा रोजगार, 03—प्रशिक्षण, 003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान—आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के शामे खाला जायेगा।

8-यह आदेश के अशासकीय संख्या यू०जो०-475/वित अनुभाग-5/2006, दिनांक 10 अगस्त, 2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संख्या 1213/ \/ 111/72-प्रशिक/ 2008

प्रेषक.

टींत आरत मट्ट, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निवेशक. प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्हानी।

श्रम एवं रोवायोजन अनुभाग

देहराद्न : दिनांक 10 अगस्त, 2006

विषय – द्वारीखाल, जनपद-पौडी में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए 15 अस्थायी पदीं का सृजन किए जाने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषय के रान्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद-पौढ़ी के द्वारीखाल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय क्रमशः डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, द्रेस मेंकिंग एवं प्लम्बर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 15 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद की मरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28-02-2007 तक के लिए बशर्ते कि ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की झी राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं -

# राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, द्वारीखाल, जनपद-पौडी हेत् पदो का विवरण :

क्र0सं0	पदीं का नाम	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
4	2	3	4
1.	कार्यदेशक श्रेणी-सीन	01	6500-10500
2,	व्यवसाय अनुदेशक	03	50008000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	50008000
ń,	अनुदेशक कला/गणित	Q1	5000-8000
5.	सहायक मण्डारी	01	40006000
6.	वरिष्ठ सहायक	01	4000-6000
7.	कनिष्ठ तिपिक	01	3050-4590
B.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2610-3540
D,	अनुसेवक	01	25503200
10.	चौकीदार .	02	2550-3200
11.	स्वच्छकार	01	2550-3200
	योग:	15	

2-उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साध्य-साध्य शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य मले आदि भी देय होंगे।

# प्रारम्भ किये जा रहे व्यवसायों का विवरण :

40410	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
4,	ढाटा एन्ट्री ऑपरेटर	01	20
2.	द्रेस मेकिंग	01	16
3.	प्लम्बर	U1	16

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नलिखित दिवरणानुसार रूपये 27,28,000/-(रूपये सत्ताईस लाख अठ्डाईस हजार मात्र) की घनराशि को व्यय किये जाने की ब्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

काट व्यवस्था :		(धनराशि हजार रुपये में
क्र०सं०	मद का नाम	आदश्यक घनराशि
1.	D1—वेत्रन	01 v
2.	03-महंगाई यत्ता	01
3.	04—योजा मत्ता	51
4.	08—अन्य भले	01
Б.	08—कार्यालय व्यय	70
6,	09-विद्युत्त देय	01
7.	10-जलकर/जल प्रभार	01
Ø;	21 छात्रवृत्ति / छात्रवेतन	01
9,	26-मशीने साज-सज्जा/सपकरण	2600
10.	42-अन्य व्यव	50
11,	48-महंगाई वेतन	01
	योग :	2728

4—उक्त घनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शतों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त गद में आवंदित सीमा तक की व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह मी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंदन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वितीय हस्तपुरितका के नियमों या आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वृहों ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय—समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कडाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय धन्हीं मदीं किया जायेगा जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5 त्यंग करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी, की दरों अथवा शतों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

8-स्वीकृत की जा रही घनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7-उक्त व्यय बालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु अनुदान संख्या-16 मुख्य लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार. 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारो तथा पर्यवैद्यकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिखान, आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक पदों के नामे हाला जायेगा।

8—यह आदेश के अशासकीय संख्या यू०औ०-460/विश अनुमाग-5/2006 दिनांक 01 अगस्त, 2006 के अन्तर्गत प्राप्त जनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संख्या 1214/VIII/73-प्रशिव/2008

प्रेषक.

टी० आर७ मद्ट, अपर सविद उत्तराचल शासन।

सेवा में

निदेशक, प्रशिक्षण एव सेवायोजन, इल्झानी,

श्रम एव सेवायोजन अनुमाय

देहरादून : दिनांक 10 अगस्त, 2008

विषय मासी जनपद अल्मोडा में राजकीय औसोगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए 15 अस्थायी पदा क संचालनार्थ विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनएद अल्मोदा के मासी में राजनीय अभिनेतिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुये इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय क्रमश डाटा एट्री ऑपरेटर इंडियर कम मैकेनिक एवं फिटर हेतुं न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 15 अख्याई 1द निम्निक्षित विवरणान्सार शास्त्रादेश निर्मत होने की तिथि अथवा पद की भरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो सी दिन के 28 02 2007 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिय ज ये की सुमित किसी जाने की भी सन्वापल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मासी जनपद अल्मोडा हेत् पदों का विवरण

h0410 _	वदी का नाम	रवीकृत किये जाने वाल पदी की संख्या	वैसनमान
1	2	3	4
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6500~10500
2.	व्यवसाय अनुदेशक	03	50098000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	5000-8000
б,	सप्टायक भण्डारी	01	4000 6000
ß,	वरिष्ठ संडायक	. 01	4000-8000
7.	कनिष्ठ लिपिक	01	3050-4590
8.	मण्डार/कार्यशाला परिचर ।	02	26103540
9.	अनु से वक	01	2550-3200
10.	चौकीदार	02	2550-3200
11.	स्वंध्रकार	01	2550-3200
	योग:	15	

<sup>2</sup> उका पद के घारकों की उका पद के देलन के साथ साथ शासन द्वारा समय पर प्रध्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महमाई एवं अन्य मत्ते आदि मी देव होंगे।

प्रारम्म वि	न्ये जा रहे व्यवसायों का विवरण	Τ:	el
фоसо	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	साटा एन्ट्री ऑपरेटर	01	<sup>2</sup> 20
2.	द्राईवर कम मैकेनिक	01	t6
3.	फिटर .	D-5	46

3 उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्यान के खर्चे हेतु निम्नलिखित विदरणानुसार रुपये 38 28,000 / (७५४ छत्तीस लाख अद्वाइंस हजार मात्र) की धनराशि को व्यथ कियं जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं .—

बजट व्यवस्था -		(घनराशि हजार रुपये में)
क्र0स0	मद का नाग	आवश्यक धनराशि
1	01 414	01
2.	03-महगाई भत्ता	01
3	04-भाजा मरम	01
4,	06 अन्य भरो	81
5.	08-कार्यालय व्यय	70
€,	09—विद्युत देय	01
7.	10-जलकर/जल प्रभार	01
€.	21—छात्रवृत्ति / छात्रवेतम	01
Ø.	28-मशीने साज-सज्जा/उपकरण	3500
10.	42-अन्य व्यय	50
11.	48—महंगाई वेतन	01
	arbay -	2212

4 उपरा धाराशि इस विवन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उपरा भ में अन्वित्त सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाते। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आनदन किसी ऐसे काम को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से बजर मैन्अल मा विवीम हस्तपृश्चिका क नियमों 4 आदेशों का उल्लंधन होता है। उहाँ व्यय करने से पूर्व सहम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो तहीं ऐसा व्यय सहम अधिकारी की स्वीकृति पाप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता वितान्त आवश्यक है जिल्लाम अ के सम्बन्ध में समय समय पर जारी शासनावंश्ते / अन्य आदेशों के अन् मलन कहाई से सुनिश्चित किय जान व्यय उन्हीं भदी में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्तीर परचेज रूत्स डी.जीएस एम्ड डी की दरों अधवा शर्तों हे डर/कोटेशन अदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुविश्वित किया जाट । उपकरणां आदि का क्रय प्रत्येक ट्रंड के एन०सी०वी०ती० कें मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

- 6 स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनाक 🥫 🔞 2007 तक पूर्ण उपयाग कर लिया जायेग :
- 7 सक्त व्यय वालू वित्तीय वर्ष 2006-07 होतु अपुदान सख्या १८ मृहर लेख शीर्षक 2230 श्रम १८ रोज्यार 03 प्रशिक्षण आयोजनागरा 003-दरनकारो तथा पर्यवेक्षको का प्रशिक्षण 03 दस्तक र प्रशिक्षण योजना एव अहिम्दान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसगत मानक मदों के नामे हाला जायेगा।
- 8 य अदय के असम्प्रकीय र प्रा. ू बोठ 4587 वित्त के भाग ५ २००६ दिना के उ। गुलाई 2006 त अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संख्या 1215/VIII/75-प्रशिव/2006

प्रेषक

टी० आर० मद्द, अपर सचिव, ततराचल शासन।

सेवा में.

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्ह्यानी।

श्रम एव सेवायोजन अनुभाग

देहरादून : दिनांक 10 अगस्त, 2006

विषय - एकश्वर जनपद पौडी में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थाय ॥ करते हुए १५ अस्थामी पदी के: सृजन विषयक।

महोदय

उपरोक्ता विषय के सन्दर्म में मुझे यह कहां का निर्देश हुआ है कि जनपद पौढ़ी क एकंश्वर में राजकीय भीदांगिक पृष्टिसण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके लिए प्रशादित तीन व्यवसाय क्रमश डाट एन्ट्री ऑपस्टर हैं १ - रोकनांगाजी एवं फिटर ऐस् न्यू फम आवश्यकता के आधार घर मानक के अनुसार कल 16 अर्घाई पद जिन्नांगितिया विवरण नुसार शासा देश निर्मत हाने की तिथि अथवा पद की मरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो सी दिन के 28 02 2007 तक के लिए बशर्त कि ये पद इसके पूर्व दिना किसी पूर्व सूचन के समप्त । कर दिये जाये का सुजित किसे जाने की श्री राज्यपाल सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं

# राजकीय और्चामिक प्रशिक्षण संस्थान एकेश्वर जनपद पौडी हेतु पदी का दिवरण

1040	पदो का नम	रवीकृत किये जाने वाले पदा <b>की संख्या</b>	यंश्वस∗
1	2	3	4
1.	कार्यदेशक क्षेणी-सीन	01	6500-10500
5	ध्ययसाय अनुदेशक	03	5000-8000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
4.	अनुदेशक कला/गणित	D1	50006000
Б.	सहायक भण्डारी	01	4000-6000
6,	वरिष्ठं सष्टायक	01	4000-8000
7.	कनिष्ठ लिपिक	01	3050-4590
8,	भण्डार/कार्यशाला परिचर	02	2610-3540
D.	अनुसेवक	01	2550-3200
10.	चौकीदार	02	2550-3200
11,	स्वच्छकार	01	2660-3200
	योग :	15	

<sup>2</sup> उक्त पद के घारको को उक्त बंद के बेतन के साथ साथ शासन द्वारा समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महमाई एवं अन्य मत्ते आदि भी देय होंगे।

# प्रारम्य किये जा रहे व्यवसायों का विवरण :

क्रथ्स	व्यवसाय का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1	ढाटा एन्द्री ऑपरेटर	01	20
2.	फैशन टैक्सेलाजी	01	16
3	फिटर -	01	16

उन्हां संस्थान के अनावर्तक व्यया एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निध्नलिखित विवरणानुसार रुपये 32 28.000/ (रुपये बत्तीस लाख अठ्ठाईस हजार मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति पदा । करते हैं

बजद व्यवस्था .

(धनराशि हजार कपये में)

<b>₩</b> 0₩0	मद का नाम	आवश्यक घनराशि
T <sub>T</sub>	01-वेतन	01
2.	03-महगाई मसा	01
3.	04-यात्रा भत्ता	01
4.	06—अन्य मत्ते	01
6.	08-कर्गलिय व्यव	70
₿.	09-विद्युत देव	01
7.	10-जलकर/जल ग्रभार	01
a.	21-धाजवृति / छाजवेतन	01
9.	28~नशीनें साज-सज्जा/उपकरण	3100 ′
10.	42-अन्य व्यय	50
t1.	48—महगाई वेतन	01
	मां ग	37.78

4 राक्त माराशि इस प्रीतन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि तस्त गढ़ में आवित्त सीमा तक ही जाय सीमिन रखा जाय यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का उपतत्न किसी ऐसे व्यय का के करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से बजत में (अल मा विभीय हस्तव्हितका के नियमों था आदेशों का उल्लंधन होता हो। जहां व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो वहां ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्रापा करके ही किया जायेगा। व्यय में मिलव्ययता नितान्त अवश्यक है। मिलव्ययता के सम्बन्ध में समय समय पर जारी शास एउंश / अन्य अवश्री का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय सक्षी के किया जायेगा जा सहा है।

5 व्यय करते सम्य स्टोर परचेज रूलः डोजीएस एव्ड डी की दरों अथवा शर्तों हे डर/कोटेशन आदि क विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया ।येगा। उपकरणा आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेट के एन०सी०व ० १० के मान**क के अनु**सार ही किया जायेगा।

6 रवीकृत की जा रही धनस्रिश का दिन 5 3° 03: 2007 तक पूर्ण उभद म वह लिया जामें 1

7 एका व्यय चालू विलीय वर्ष 2006 07 होत् अनुदान संख्या 16. मुख्य लेखाशीचक 2230 अम तथा राजागर 03 प्रशिक्षण आयोजनगत 003 दस्तकारो तथा प्रदेवेक्षको का प्रशिक्षण, 03 दस्तकार प्रशिक्षण योजना एव अधिष्ठान आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक महीं के नामें डाला जायेगा।

8 या अंदरा के अशासनीय संख्या मुखीं० 459/विश यादुःन 57 2006 दिनाक 01 अगस्त 2006 अन्तर्गत प्राप्त धनकी सहमति से जारी किये जी रहे हैं।

संख्या 1217/VIII/76-प्रांशव/2006

प्रेषक.

टी० आस्० भट्ट. अपर सचिव, चत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, इल्हानी।

श्रम एव सेवायोजन अनुभाग

देहरादून - दिनांक 10 अगस्त, 2006

तिथय दिगालीबौंड जनपद चम्पावत में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करत हुए इस है राचालनार्थ विभिन्न देतनमानों के कुल 15 अस्थायी पदों का सुजन किए जाने दिश्यक।

महोदय.

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद वस्पावत के दिगाली वौद ने राजकीय औ दिगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके लिए प्रस्त वित तीन व्यवसाय क्रमण डाटा एन्ट्री ऑपरेटर विद्युतक ए एवं फिटर हेत् न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्निलिति विवरणानुसार शासनादेश निर्मत होने की शिथि अथवा पद की भरे जान की रिथि जो भी बद में न रा दि । 28 02 2007 तक के लिए बशाँ कि ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के सम त न कर देये जय की सृचिन किये जाने की भी राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :--

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, दिवालीचौड, जनपद चम्पावत हेतु पदी व । विवरण

	पदीका नाम	स्वीकृत किये जाने वाले पदी की संख्या	વેતનલ ન
1	2	3	4
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6500-10500
2.	व्यवसाय अनुदेशकं	03	5000-8000
3,	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	5000-8000
5,	सहायक भण्डारी	D1	4009-6000
Ø,	वरिष्ठ सहायक	01	4000-6000
7	कनिष्ठ लिपिक	01	3050-4590
₽,	भण्डार/कार्यशाला परिचर '	02	2610-3540
9.	अनुसंवक	01	2550-3200
10	चौकीदार	02	2550-3200
11,	स्वच्छकार	01	2550-3200
	योग	15	

<sup>2</sup> जका पद के धारकों को जक्त पद के वेतन के साथ साथ शासन द्वारा समय समय पर प्रख्यापित अन्देशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य मत्ते आदि भी देश होंगे।

प्रारम्म वि	व्ये जा रहे व्यवसायों का विवरण	т:	e
फ़04(0	व्यवसाथ का नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1	डाटा ए-ट्री ऑपरेटर	01	20
2	विद्युतकार	61	16
3.	फिटर	01	16

3 विका संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नित्धित विवरणा-१सार रुपये 18,28 000 /-(रुपये अंडतीरा लाख अठ्ठाईस हजार माउ) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहबं स्वीकृति प्रदा। करते हैं:--

#### बजट व्यवस्थाः

(धनराशि हजार रुपये में)

p0410	मद का नाम	आवश्यक धनराशि
1	०१ रोतन	01
2.	03-महनाई मत्ता	01
3.	04-यात्रा भत्ता	01
4.	06—अन्य मर्रा	01
5.	08-कार्यालथ व्यय	70
6.	09-विद्युत देय	01
7,	10-जलकर/जल ग्रमार	01
₿.	21—छात्रवृत्ति / छा अवेतन	01
0.	26-मशीनें साज-संबंधा / उपकरण	3700
10.	42अन्व व्यय	60
11	48- महंगाई वैरान	01
	योगः	3628

- 4 उन्हें धनराष्ट्रि इस मिनका के साथ एवं शर्मों के आग्निन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उन्हें के से अग्नित सीमा तक ही व्यव सीमित रहा जाये यहाँ यह भी स्वष्ट किया जाता है कि धनराश का आवरन किसी ऐसे व्यथ को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यथ करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तप्रितक के नियम या आदेशों का उल्लंध होता हो। जहाँ प्रय करने से पूर्व सहस्य अधिकारों की स्वीकृति आवश्यक र चहा ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायमा। व्यय में मिनव्ययता नितान्त आवश्यक है मिनव्ययता के सम्बन्ध में समय सम्थ पर जारी शासनादेशा / अन्य आदेशों का अपानन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाय व्यय धन्हीं महीं मैं किया जायेगा जिनके लिए वह स्वीकृत किया जा रहा है।
- 5 व्ययं करने समय स्टार प्रचंज रूल्य, ही जीएस एण्ड डी की दरों अथवा शर्मी है -डर/कार्टशन आदि के विषयक विद्यम का अनुपालन सुविश्विक किया विभाग उपकरणों आदि का क्रम प्रव्यंक ट्रेड के एनक्सीववीवटीव के मानक के अनुसार ही क्रम किया जायेगा।
  - 6 रवीकृत की जा रही घनराशि का दिनाक 31 93 2007 तक पूर्ण उत्योग कर लिया जायमा
- 7 उन्त ध्यय वालू दिलीय वर्ष 2006-07 हेत् अनुदान संख्या—16, मुख्य लेखाशीर्धक 2230-श्रम तथा श्रीजगार 03-प्रशिक्षण आयोजनम्पन 003-दस्तक शे तथा पर्यवेक्षको का प्रशिक्षण 63-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनम्मन-20 के अन्तर्गत सुसरात मानक मदौं के नामें काला जायेगा।
- 8 ग' अदेश के आ स्मर्तीय मल्या यू०लो०—4=५/ि अनुमना ५, २०६ दिनाक २९ तृलाई २००६ के अन्तर्गत प्राजनकी सहगति से आहे किये जा रहे हैं।

संख्या 1<u>221 / VIII /</u>80-पृशित / 1006

प्रेषक.

टी० आस्त मट्ट, अपर सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में.

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्ह्यानी।

श्रम एवं सेवायोजन अनुभाग

देश्सदून दिनाक 10 अगस्त, 2008

विभय राईआगर जनपद-पिथौरागढ में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए 15 अस्थाई पदी की सृजन किए जाने विभयक।

महोदय.

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में पूड़े यह कहने का निर्देश हुआ है कि जनपद विधीरागढ़ के राईआगर न राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके लिए एस्तावित तीन व्यवसाय क्रमश विद्युतकार, प्लाबर एवं आश्रालिप हिन्दी हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 55 अस्थाई पर निप्तालिखा विवस्य नुसार शासनादंश निर्मत होने की विधि अथवा पद की मरे जाने की विधि, जो भी बाद में हो से दिनाक 28 02 2007 तक के लिए बशर्र कि ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्तान कर दिये जाये को सुजित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :--

र जबीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, राईआगर जनपद पिथौरागढ़ हेतु पदों का विवरण

40410	पदो का नाम	रवीकृत किये जाने वाले पदी की सख्या	पेंत∙ म -।
1	2	3	4
1	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	01	6500-10500
2.	व्यवसाय अनुदेशक '	03	5000-8000
3,	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	\$000-8000
4.	अनुदेशक कला / मणित	01	5000-8000
5.	सहायक भण्डारी	01	4000-8000
e.	वरिष्य सहावक	01	4000-6000
7.	कनिष्ठं निपिक	01	3050-4590
В.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	02	26103540
<b>9</b> .	अनु सेवक	01	2550-3200
10,	चौकीदार	02	2550-3200
11.	स्वच्छकार	01	25503200
	योंग •	15	

<sup>2</sup> उक्त पद के धारकों को उक्त पद के देतन के साथ साथ शासन द्वारा समय नसमय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देव होंगे।

प्रारम्भ	किये	जा	रहे	व्यवसायाँ	का	विवरण	
5117	As all	-611	4.6	and of Fill of F	and a little	I and affect	-

क्राइटिंग	व्यवसाय को नाम	यूनिट	प्रशिक्षण स्थान
1.	विद्युतकार	01	16
2.	प्लम्बर	21	16
3.	आशुलिपि हिन्दी	DT.	16

3--उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्चें हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 30,28,000/-(रुपये तीस लाख अठ्ठाईस हजार मात्र) की घनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

बजट व्यवस्था :

(धनराशि हजार रूपये में)

क्र०संव	मद का नाम	आवश्यक धनरा	शि
1.	 01-वेतन	01	
2.	03-भहंगाई मस्त	01	
3.	04-सहा मता	01	
4.	06—अन्य मते	01	
5,	08-कार्यालय व्यव	70	
Б,	09-विद्युत देय	01	
7,	10-जनकर/जल प्रमार	01	
8.	21-छात्रवृति / छात्रवेतन	01	
9.	26-मशीनें साज-सज्जा / उपकरण	2900	
10.	42-अन्य व्यय	50	
11.	48-महंगाई वेतन	01	
	योग :	3028	-

4—उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शहाँ के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त यद में आविटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आविटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों या आदेशों का उल्लंधन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय साधम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय—समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मधीं में किया जायेगा जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5—व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड ही की दरों अथवा शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिविचत किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेंड के एनक्सीक्पीक्टीक के भानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7—उन्त त्यम तालू वित्तीय वर्ष 2006—07 हेतु अनुदान संख्या—16, मुख्य लेखाशीर्षक 2230—प्रम तथा रोजगार, 03—प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003—दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03—दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान, आयोजनागत—00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश के अशासकीय संख्या यू०ओ०-454/वित्त अनुभाग-5/2006, दिनांक 29 जुलाई, 2006 के अन्तर्गत प्राप्त समकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

आज्ञा से टीठ आरठ मट्ट, अपर सचिव।

# श्रम एवं सेवायोजन विभाग

## कार्यालय-ज्ञाप

30 अगस्त, 2006 ई0

संख्या 1252/VIII/06-59-प्रशि10/2005-निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन के पन्नाकः 2078/डीटीईय्/0326/नये स्थान/06. दिनांक 05-07-2006 के द्वारा दी गयी संस्तुति के कम में शासनादेश संख्याः 1609/VIII/59-प्रशि0/2005, दिनांक 16 जून, 2006 द्वारा स्थापित राजकीय औद्यांगिक प्रशिक्षण संस्थान, भगवानपुर जनपद हरिद्वार को समस्त सृजित पदों, व्यवसायों एवं मशीनें साज-सज्जा एवं उपकरणों सहित सम्पूर्ण रूप से ग्राम ढेलमा, विकास खण्ड रुद्धी स्थानान्तरित किया जाता है।

आज्ञा से. आर0 के0 चौहान, अनुसचिव।



# सरकारी गजट, उत्तरांचल

# उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 16 सितम्बर, 2006 ई0 (माद्रपद 25, 1928 शक सम्वत्)

#### भाग 1-क

नियम, कार्य-विधिया, आझाएं, विश्वितियां इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

महानिदेशक, विकित्सा स्वास्थ्य एवं प0क0, उत्तरांचल, देहरादून। साधारण औषधियों के दर अनुबन्ध की विज्ञप्ति में संशोधन करने के सम्बन्ध में। 12 जुलाई, 2008 ई0

पत्र सं0 15प/स्टोर/दर अनुबन्ध/2/2005/21387—उपरोक्त विषयक महानिदेशालय के नोटिफिकेशन गठ 15प/स्टोर/दर अनुबन्ध/2/2005/23368, दिनांक 18-10-2005 के प्रस्तर-3 को निम्न प्रकार पदा जाए:-

3—Indenting Officers are requested to make the 90% payment positively within 10 days from the date of receipt of goods/bills unless they have valid reasons for with holding the same in which case the circumstances under which the payment is with held should be communicated to the Director General of Medical Health & F.W., Utttaranchal Debradun remaining 10% payment will be released after getting satisfactory report of the drug/medicine from analytical laboratory.

शेष शर्ते एवं नियम सधावत् रहेंगे।

साधारण औषधियों के दर अनुबन्ध की विद्गप्ति में संशोधन करने के सम्बन्ध में।

पत्र सं0 15प/स्टोर/दर अनुबन्ध/2/2005/24876—उपरोक्त विषयक महानिदेशालय के नोटिफिकेशन सं0 15प/स्टोर/दर अनुबन्ध/2/2005/23368, दिनांक 19-10-2005 के द्वारा साधारण औषधियों के दर अनुबन्ध की विज्ञप्ति जारी की गई थी। भूलवशः टाइपिंग त्रुटि के कारण पैश सं0 '38' छूट गया है। अतः पैरा सं0 '38' को निम्नवत् पढ़ा जाए :--

"All the Drawing & Disbursing Officers are Instructed to send the Indent directly to manufacturers and the payments by them shall be made through cheque or demand draft in the name of company only".

उपरोक्त पैरा का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। उपरोक्त विज्ञाप्ति की शेष शतें एवं नियम यथावत् रहेंगे।

महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं प०कं०, उत्तरांचल, देहरादन।